RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 09 AUGUST TO 15 AUGUST 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 47 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

बीना रिफाइनरी के विस्तार सहित कई परियोजनाओं का भूमिपूजन-लोकार्पण 12 को Page 2

आरबीआई ई-रुपये के प्रयोग को यूपीआई के जरिए बढ़ाने का प्रयास Page 4

भारत सरकार के चावल प्रतिबंध से थाईलैंड को मिला फायदा Page 7

editoria!

रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प

भारत और भारतीयों के लिए रेल यातायात कितना महत्वपूर्ण है यह बात किसी से छिपी नहीं है. पटरियों पर भागती रेलगाड़ियां देश के हजारों शहरों, कस्बों, गांवों को आपस में जोड़ती हैं और लाखों लोगों के लिए यह आवागमन का एक प्रमुख साधन है, यातायात के तमाम साधनों के बावजूद रेल की अपनी एक अलग पहचान रही है. रेल यात्राएं न केवल लोगों को गंतव्य तक पहुंचाती हैं, बल्कि वह सवारियों के लिए खट्टी-मीठी यादों का एक पिटारा बन जाती हैं. लेकिन, यह एक दुखद सत्य है कि ज्यादातर रेलवे स्टेशनों पर समय कहीं ठहरा सा प्रतीत होता है. आज भी स्टेशन परिसर में घुसते ही अव्यवस्था का अनुभव होता है. इन्हीं चिंताओं के बीच पिछले वर्ष दिसंबर में स्टेशनों के आधुनिकीकरण की एक योजना शुरू की गयी थी, जिसका नाम अमृत भारत स्टेशन स्कीम रखा गया. इसके तहत लगभग 1300 मुख्य रेलवे स्टेशनों के विकास का लक्ष्य रखा गया है. योजना के एक अहम चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के विभिन्न हिस्सों में 508 रेलवे स्टेशनों की पुनर्विकास योजना की आधारशिला रखी. यह स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं. सबसे ज्यादा 55 स्टेशन उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हैं, बिहार में 49 और झारखंड में 20 स्टेशन हैं. योजना की परिकल्पना रेलवे स्टेशनों को सिटी सेंटर की तरह विकसित करने की है. वहां प्लेटफॉर्मों पर बैठने की बेहतर व्यवस्था, बेहतर वेटिंग रूम और मुफ्त वाइ-फाइ जैसी सुविधाएं होंगी. स्टेशनों की इमारतों की डिजाइन में स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला की झलक होगी. अमृत भारत स्टेशन स्कीम में जिन सुविधाओं को जुटाने की कोशिश की जा रही है, उसकी छवि हवाई अड्डों और चमकते-दमकते शॉपिंग मॉल्स से मिलती है. विदेशों में भी अक्सर ऐसा होता है, जहां बड़े रेलवे स्टेशन अति आधुनिक मॉल या हवाई अड्डों जैसे प्रतीत होते हैं. भारत में रेलगाड़ियों से सफर करने वाले आम यात्रियों को भी ऐसे ही अनुभवों के बीच यात्रा की सुविधा देने का प्रयास सराहनीय है. हालांकि, ऊपरी चमक-दमक से ज्यादा जरूरी अभी रेल यात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा है. पिछले कुछ समय में हुई दुर्घटनाओं से इसकी गंभीरता को लेकर चेतावनियां मिली हैं, और सबसे ज्यादा ध्यान पटरियों के रख-रखाव और सुरक्षा से जुड़े अन्य पहलुओं पर दिया जाना चाहिए. इसी प्रकार रेलगाड़ियों में हर पर्व-त्योहार के अवसर पर जिस तरह से अव्यवस्था दिखाई देती है, उसका भी कोई स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए.

डाटा लीक होने पर कंपनियों पर लगेगा तगड़ा जुर्माना

डाटा प्रोटेक्शल बिल लोकसभा में हुआ पास

नई दिल्ली। एजेसी

विपक्ष के तमाम विरोध के बावजूद सोमवार को लोकसभा में डिजिटल निजी डेटा संरक्षण बिल पास हो गया। सदन में यह बिल हंगामे के बीच पास किया गया।

दरअसल, विपक्ष गोपनीयता से जुड़े मुद्दे और निजता के मौलिक अधिकार के उल्लंघन को लेकर लगातार विरोध करता रहा है। सोमवार को बिल को सदन में चर्चा और पास होने के लिए लाए जाने पर भी विपक्ष ने विरोध किया। दरअसल, इसमें RTI कानून की धारा 8(1)(J) में संशोधन का प्रस्ताव भी है। इस पर विपक्ष का कहना है कि इससे RTI कानून कमजोर होगा।

विपक्षी सांसदों ने बिल को संसदीय समिति के पास भेजने की मांग भी की। ऊश्ण सांसद सौगत राय, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बिल का खासा विरोध किया। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी का कहना था कि इस बिल के जरिए सरकार सूचना के अधिकार कानून को कुचलना चाहती है। इस बिल को चर्चा के लिए स्टैंडिंग कमिटी के पास भेजा जाना चाहिए। दूसरी ओर बिल को सदन में रखते हुए केंद्रीय संचार और सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बिल देश के 140 करोड़ लोगों के डिजिटल निजी डेटा की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। आज पूरी दुनिया में डिजिटल इंडिया की चर्चा चल रही है और दुनिया के कई देश इसे अपनाना चाहते हैं। चाहे डिजिटल भुगतान प्रणाली हो, आधार की व्यवस्था हो या फिर डिजिटल लॉकर हो।

90 करोड़ भारतीय इंटरनेट से जुड़े

वैष्णव का कहना था कि 90 करोड़ भारतीय इंटरनेट से जुड़ गए हैं। 4जी, 5जी और भारतनेट के माध्यम से छोटे-छोटे गांव तक डिजिटल सुविधा पहुंच गई है। वहीं बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा हो रहे हंगामे पर निशाना साधते हुए वैष्णव ने कहा कि अच्छा होता कि विपक्षी सदस्य इस अहम बिल पर चर्चा करते, लेकिन विपक्ष को देश के लोगों और उनके अधिकारों की कोई चिंता नहीं है। इन्हें सिर्फ नारे लगाने हैं, चर्चा में इनकी कोई रुचि नहीं है।

बिल की खास बातें

- डेटा के गलत इस्तेमाल होने पर न्यूनतम 50 करोड़ और अधिकतम 250 करोड़ तक का जुर्माना हो सकता है
- डेटा का गलत इस्तेमाल न हो, इसके लिए कानूनी फ्रेमवर्क तैयार किया गया है
- इस पर निगरानी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड भी होगा
- अगर कोई कंपनी किसी व्यक्ति का पर्सनल डेटा चाहती है, तो उसे उस यूजर को इस बारे में पहले से बताना होगा कि वो ऐसा क्यों कर रहे हैं
- डेटा इकट्ठा करने वाली कंपनियों पर ही इसे सुरक्षित बनाए रखने की जवाबदेही भी होगी।
- डेटा तभी तक स्टोर किया जा सकेगा, जब तक जरूरी हो। इसके बाद डेटा डिलीट करना होगा, उसे सर्वर से भी डेटा हटाना होगा
- देश में सोशल मीडिया कंपनियां और गेमिंग कंपनियां बड़े पैमाने पर बच्चों का डेटा स्टोर कर रही हैं। इसके लिए अब पैरेंट्स से मंजूरी लेनी होगी
- डेटा ट्रांसफर मित्र देशों में ही किया जा सकता है
- डेटा ट्रांसफर और उसकी प्रोसेसिंग के कर्मशल इस्तेमाल पर कई तरह की रोक भी होगी

यह बिल लागू होने के बाद देश के लोगों के प्राइवेसी से जुड़े अधिकारों को और मजबूत बनाएगा। इससे जुड़ी नीतियों और शिकायत के निपटारे के साथ-साथ सुरक्षा उपायों को अपनाना इसकी अहम शर्तें हैं - मनीष सहगल, पार्टनर, रिस्क एडवाइजारी, डेलॉयट इंडिया

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जून में भारत के लिए रूस का तेल सबसे सस्ता

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों और रूस से आयात करता है। अब हालिया जारी हुए एक आंकड़े के मुताबिक जून में रूस से भारत को भेजे जाने वाले कच्चे तेल की कीमत यूक्रेन- रूस वॉर के बाद सबसे कम थी। भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के हालियां आकड़ों के मुताबिक माल ढुलाई लागत सहित रूस से आने वाले हर एक बैरल कच्चे तेल की कीमत 68.17 डॉलर थी। वहीं ठीक एक महीने पहले मई के महीने में यह कीमत 70.17 डॉलर प्रति बैरल पर थी। जबकि एक साल पहले ही जून के महीने में यह कीमत 100.48 डॉलर प्रति बैरल पर थी। हालांकि यह पश्चिमी देशों द्वारा मॉस्को पर लगाई गई 60 डॉलर की सीमा से अधिक है, लेकिन इस सीमा में शिपिंग शामिल नहीं है।

यूक्रेन वॉर के बाद से ही भारत बन गया है रूसी कच्चे तेल का बड़ा उपभोक्ता

रूस यूक्रेन वॉर के बाद से ही भारत चीन के साथ रूसी कच्चे तेल का बड़ा उपभोक्ता बन गया है। केप्लर के डेटा से पता चलता है कि पिछले दो महीनों में भारतीय आयात में गिरावट आई है और अगस्त में इसमें और गिरावट आने की उम्मीद की जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ओपेक देश तेल उत्पादन में कटौती ₹ करने पर अड़े हुए हैं। हालांकि एनालिटिक्स फर्म केप्लर अक्टूबर से दक्षिण एशियाई देशों में शिपमेंट में तेजी देख रही है।

इस आधार पर रूसी कच्चा तेल खरीदता है भारत

भारत आम तौर पर माल ढुलाई, बीमा और दूसरी लागतों के साथ डिलीवरी के आधार पर रूसी कच्चा तेल खरीदता है। इसमें खरीदार कच्चे तेल के ट्रांसपोर्ट के साथ सभी तरह की लॉजिस्टिक्स और रिस्क के लिए जिम्मेदार होता है भले ही शिपमेंट कॉस्ट एक लिमिट से कम ही क्यों ना हो। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में इराक से आयात औसतन 67.10 डॉलर प्रति बैरल था, जबकि सऊदी अरब से आयात इससे कहीं अधिक 81.78 डॉलर प्रति बैरल था। भारत अपनी 88₹ तेल मांग की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। भारत के तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि रूसी कच्चे तेल पर छूट कम हो गई है। रूस और सऊदी अरब द्वारा बाजार को आगे बढ़ाने के लिए आपूर्ति पर अंकुश लगाने का वादा करने के बाद हाल के हफ्तों में वैश्विक बेंचमार्क कीमतें चढ़ गई हैं।।

बीना रिफाइनरी के विस्तार सहित कई परियोजनाओं का भूमिपूजन-लोकार्पण 12 को

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 अगस्त को सागर के बडतुमा में संत रविदास मंदिर और स्मारक की आधारशिला रखने के साथ बीना रिफाइनरी के विस्तार और पेट्रोकेमिकल परियोजना सहित कई परियोजना का भूमिपूजन-लोकार्पण करेंगे। भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की इस परियोजना पर 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर बनेंगे।

बनेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर मध्य प्रदेश को कई सौगात देने आ रहे हैं। वे सौ करोड़ रुपये की लगात से बनने वाले संत रविदास मंदिर और स्मारक की आधारशिला रखेंगे। इसके लिए पूरे प्रदेश में समरसता यात्रा निकाली गई हैं, जो 12 अगस्त को सागर पहुंचेंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री प्रदेश के सागर जिले के बीना में वर्ष 2011 से कार्यरत बीना रिफाइनरी के विस्तार और पेट्रोकेमिकल परियोजना का भूमिपूजन करेंगे। इसमें 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और हजारों व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित होंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने बीपीसीएल को सीजीएसटी सहित अन्य छूट दी हैं।

इन विकासकार्यों का भी लोकार्पण-भूमिपूजन

परियोजना के अंतर्गत गैसोलीन, डीजल, एटीएफ/जेट फ्यूल, पाली प्रोपाईलीन, बिटुमिन, बेंजीन आदि का उत्पादन किया जाएगा, जिसके वर्ष 2027-28 तक प्रारंभ होने की संभावना है। इसके साथ ही कोटा-बीना रेल लाइन के दोहरीकरण का लोकार्पण करेंगे। इस पर दो हजार 476 करोड़ करोड़ रुपये की लागत आएगी। एक हजार करोड़ रुपये की लागत से 47 किलोमीटर के मोरीकोरी-विदिशा-हिनौतिया फोर लेन और हिनौतिया-महरूआ टू लेन मार्ग का भूमिपूजन करेंगे। इससे मध्य भारत में बेहतर संपर्क के साथ सांची स्थित बौद्ध स्तूप, अशोक स्तंभ और उदयगिरी गुफा तक पर्यटक आसानी से पहुंच सकेंगे।

रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 82.86 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 82.86 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में डॉलर में कमजोरी से रुपया बढ़त में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की बिकवाली और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से रुपये का लाभ सिमट गया।

बाजार भागीदारों को अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़ों, ब्रिटेन के जीडीपी के आंकड़ों और रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के नतीजों का इंतजार है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.83 पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 82.80 से 82.86 के दायरे में घूमने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव से पांच पैसे मजबूत होकर 82.86 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ 82.91 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत गिरकर 102.42 पर आ गया।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.75 प्रतिशत बढ़कर 86.82 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 149.31 अंक बढ़कर 65,995.81 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने पिछले कारोबारी सत्र में 711.34 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

मूडीज के अमेरिका में 10 बैंकों की रेटिंग घटाने से सतर्क ग्लोबल बाजार

एशियाई बाजार की चाल मिलीजुली, गिफ्टी निफ्टी की चाल सपाट

नई दिल्ली। एजेंसी

मूडीज के अमेरिका में 10 बैंकों की रेटिंग घटाने से ग्लोबल बाजार सतर्क नजर आ रहे है। एशियाई बाजार में मिले-जुला कामकाज हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी और DOW FUTURES फ्लैट नजर आ रहा है। लेकिन कल अमेरिकी बाजारों का मूड बिगड़ा था। और अमेरिकी बाजार आधा परसेंट से ज्यादा टूटकर बंद हुए थे। अमेरिकी बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुए। डाओ जोंस करीब 160 अंक गिरकर बंद हुआ। कल S&P 500 भी करीब 0.50% गिरा था। इस बीच नैस्डेक 110 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। रसेल 20000.59% गिरकर बंद हुआ।

दरअसल मूडीज की बैंकों की रेटिंग घटाने से दबाव दिखा। Moody's ने अमेरिकी 10 छोटे-मझोले बैंकों की रेटिंग डाउनग्रेड कर दी है। इन बैंकों की रेटिंग डाउनग्रेड को लेकर मूडीज ने कहा कि फंडिंग खर्च, संभावित कैपिटल रिस्क को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि मूडीज कई बड़े बैंकों की रेटिंग भी डाउनग्रेड हो सकती है। इस बीच 10 सालों की US बॉन्ड यील्ड गिरकर 4.03% पर रहा है। कॉपर 1 महीने के निचले स्तरों के करीब पहुंचा। LME पर कॉपर $3.77/lb तक

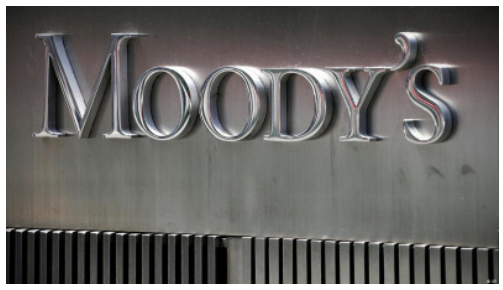

गिरा है। 10 अगस्त को US के महंगाई के आंकड़े आएंगे ।

संकट में चीन

चीन के ट्रेड आंकड़े अनुमान से कमजोर रहे हैं। जुलाई महीने में सालाना आधार पर ट्रेड सरप्लस 21.5% गिरकर 80.6 अरब डॉलर रहा। अमेरिकी डॉलर के मद में चीन का एक्सपोर्ट 14.5% और इंपोर्ट को 12.4% तक गिरा है। चीन से अमेरिका को एक्सपोर्ट 23.1% तक गिरा है। 2 दशक में पहली बार हुआ है। जब अमेरिका ने चीन के मुकाबले मेक्सिको से ज्यादा इंपोर्ट किया है।

चढ़े क्रूड के तेवर

कच्चे तेल का भाव कल करीब 1₹ चढ़ा। 4 महीनों में कच्चा तेल की ऊंचाई पर पहुंचा है। लगातार चौथे दिन ब्रेंट $86 के पार निकला है। वहीं ब्रेंट का भाव कल 586.33 तक चढ़ा है जबकि WTI का भाव कल $83 के पार निकला है। आज भी WTI का भाव 583 के करीब पहुंचा है।

एशियाई बाजार

इस बीच आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। GIFT NIFTY 38.50 अंक की बढ़त दिखा रहा है। वहीं, निक्केई करीब 0.42 फीसदी की गिरावट के साथ 32,241.63 के आसपास दिख रहा है। वहीं, स्ट्रेट टाइम्स में 0.12 फीसदी की बढ़त दिखा रहा है। ताइवान का बाजार 0.12 फीसदी गिरकर 16,857.09 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जबकि हैंगसैंग 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ 19.258.07 के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं, कोस्पी में 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार हो रहा है। वहीं शंघाई कम्पोजिट 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 3,256.08 के स्तर पर दिख रहा है।

Oil India बनी महारत्न, ONGC Videsh को मिला नवरत्न का दर्जा, जानिए क्या होगा फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

ऑयल इंडिया लिमिटेड और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। वित्त मंत्रालय ने पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस सेक्टर की कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड को 'महारत्न' कंपनी की श्रेणी में शामिल करने को मंजूरी दे दी है। वहीं ओएनजीसी विदेश को नवरत्न का दर्जा मिला है। इस कदम से ऑयल इंडिया के बोर्ड को वित्तीय फैसले करने की अधिक शक्तियां मिलेंगी। इस फैसले के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत की 13वीं महारत्न सीपीएसई (केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) बन गई है। लोक उपक्रम विभाग ने ट्विटर पर लिखा कि वित्त मंत्री ने ऑयल इंडिया लिमिटेड को महारत्न सीपीएसई का दर्जा देने को मंजूरी दी है। ओआईएल सीपीएसई में 13वीं महारत्न

कंपनी होगी। ओआईएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 41,039 करोड़ रुपये का राजस्व और 9,854 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। महारत्न कंपनी का दर्जा पाने के लिए कंपनी को एवरेज टर्नओवर 25,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए, एवरेज सालाना नेटवर्थ 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए और पिछले तीन साल में एवरेज सालाना नेट प्रॉफिट 5,000 करोड़ रुपये से अधिक होना चाहिए। महारत्न स्टेटस मिलने से कंपनी को कैपिटल एक्सपेंडीचर पर ज्यादा अधिकार मिल जाते हैं। साथ ही इन कंपनियों को बजटरी सपोर्ट या गवर्नमेंट गारंटी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है।

नवरत्न बनने का फायदा

सार्वजनिक उद्यम विभाग ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि वित्त मंत्री ने ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ध्ब्ब्) को नवरत्न सीपीएसई का दर्जा देने को मंजूरी दी है। ओवीएल सीपीएसई के बीच 14वीं नवरत्न कंपनी है। ओवीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 11,676 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व और 1,700 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। ओएनजीसी विदेश पूरी तरह ओएनजीसी की सब्सिडियरी और ओवरसीज कंपनी है। नवरत्न का दर्जा मिलने से कंपनी को ज्यादा फाइनेंशियल और ऑपरेशनल शक्तियां मिलेंगी। कंपनी सरकार की मंजूरी के बिना 15,000 रुपये या अपनी नेटवर्थ का 15 परसेंट हिस्सा किसी एक प्रोजेक्ट में निवेश कर सकती है।

आने वाली है मंदी! चीन से जर्मनी तक मिलने लगे हैं संकेत

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया पर एक बार फिर मंदी के बादल मंडराने लगे हैं। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी के इंडस्ट्रियल प्रॉडक्शन में गिरावट आई है। साथ ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी चीन (Chinese Economy) के एक्सपोर्ट में भी फिर गिरावट आई है। जून के बाद जुलाई में भी चीन के एक्सपोर्ट में जबरदस्त गिरावट आई है। यह चीन में जुलाई के महीने में तीन साल में सबसे बड़ी गिरावट है। ग्लोबल डिमांड के सुस्त पड़ने से चीन का एक्सपोर्ट गिरा है। इससे चीन पर अपनी इकॉनमी में फिर से जान फूंकने के लिए दबाव बढ़ गया है। जून में चीन का एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 14.5 परसेंट गिरा था जो फरवरी 2020 के बाद उसके एक्सपोर्ट में सबसे बड़ी गिरावट थी। चीन के कस्टम विभाग ने मंगलवार को एक्सपोर्ट के आंकड़े जारी किए। चीन में लगातार तीसर महीने एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। जून की तुलना में जुलाई में देश का एक्सपोर्ट 0.9 परसेंट गिरा है।

आने वाले महीनों में चीन के एक्सपोर्ट में और गिरावट आने की आशंका है। इसकी वजह यह है कि ग्लोबल डिमांड में सुस्ती के संकेत मिल रहे हैं। खासकर विकसित देशों में लोग ज्यादा खर्च नहीं कर रहे हैं। इससे इस साल के आखिर में मंदी की आशंका भी तेजी हो गई है। हालांकि जानकारों का कहना है कि यह बेहद मामूली हो सकती है। इस साल के पहले सात महीने में चीन के एक्सपोर्ट में पिछले साल की तुलना में पांच परसेंट की गिरावट आई है। खासकर अमेरिका को चीन के एक्सपोर्ट 13 परसेंट गिरा है। अमेरिका चीन का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। चीन ने कोरोना काल में सख्त लॉकडाउन लगा रखा था लेकिन इसके बावजूद देश का एक्सपोर्ट ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ था। पिछले साल चीन की जीडीपी में एक्सपोर्ट का हिस्सा 17 परसेंट था।

क्यों गिर रहा है एक्सपोर्ट

लेकिन पिछले साल अक्टूबर से चीन के निर्यात में लगातार कमी आ रही है। महंगाई और बढ़ते इंटरेस्ट रेट से ग्लोबल डिमांड पर काफी असर पड़ा है। एक्सपोर्ट के कमजोर होने से चीन के इकॉनमी को तगड़ा झटका लगा है। देश में डिफ्लेशन के संकेत दिख रहे हैं जिससे इस बात की आशंका बढ़ रही है कि चीन भी जापान की तरह स्टैगनेशन के लंबे दौर में फंस सकता है। मंगलवार को आए आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में चीन का आयात भी पिछले साल के मुकाबले 12.4 परसेंट गिरा है। इससे साफ है कि देश की घरेलू मांग भी सुस्त पड़ गई है। देश का आयात इस साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है।

एनालिस्ट्स का कहना है कि चीन को इकॉनमी में जान फूंकने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इसमें डिमांड बढ़ाने के उपाय भी शामिल हैं। करेंसी के

कमजोर होने से चीन को एक्सपोर्ट में मदद मिल सकती है। अब तक चीन ने इकॉनमी को बूस्ट करने के लिए जो उपाय किए हैं, वे निवेशकों को लुभाने में नाकाम रहे हैं। ऐसी स्थिति में युआन का अवमूल्यन चीन के एक्सपोर्ट को बढ़ावा दे सकता है और चीन की इकॉनमी को फिर से पटरी पर ला सकता है।

जर्मनी की मुश्किल भी बढ़ी

इस बीच यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी में जून में इंडस्ट्रियल प्रॉडक्शन में 1.5 परसेंट की गिरावट आई। यह अनुमान से कहीं ज्यादा है। सबसे ज्यादा 3.5 परसेंट गिरावट ऑटोमोटिव सेक्टर में रही। इससे एक बार फिर जर्मनी के मंदी में फंसने की आशंका तेजी हो गई है। जर्मनी हाल में मंदी के दौर से उबरा है। अप्रैल से जून के बीच देश की जीडीपी पिछले साल के मुकाबले फ्लैट रही। लेकिन हाल में आंकड़ों से लग रहा है कि देश की इकॉनमी में आया मामूली सुधार ज्यादा समय तक चलने वाला नहीं है। सबसे ज्यादा मार ऑटो सेक्टर पर पड़ी है। यूरोप की सबसे बड़ी कार कंपनी फॉक्सवैगन को चीन में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी का सबसे बड़ा मार्केट चीन है लेकिन चीन में उसकी डिलीवरी में पहली तिमाही में 14.5 परसेंट की गिरावट आई है।

शुरूआती स्तर के दोपहिया पर जीएसटी दर घटाकर 18 प्रतिशत करने की मांग

नयी दिल्ली। एजेंसी

वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुरूआती स्तर के दोपहिया पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत करने की मांग की है। फाडा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को इस बारे में एक पत्र सौंपा है। संगठन ने मांग की है कि शुरूआती स्तर के 100 से 125 सीसी के दोपहिया पर जीएसटी दर में कटौती की जाए। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, ''कुल बिक्री में दोपहिया का हिस्सा 75 प्रतिशत रहता है। इसमें भी 70 प्रतिशत शुरूआती स्तर की श्रेणी से आता है। ऐसे में कोविड-पूर्व के समय की तुलना में बिक्री में जो 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, उसका समाधान जरूरी है।''

सिंघानिया ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को 2047 तक 47,000 अरब डॉलर पर पहुंचाने के लिए घरेलू वाहन उद्योग के सभी खंडों को योगदान देना होगा। उन्होंने कहा, ''जीएसटी की दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना न केवल आर्थिक रणनीति है, बल्कि इससे आम आदमी सशक्त होगा और ग्रामीण परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा।'' फाडा देशभर में 15,000 डीलरों का प्रतिनिधित्व करता है।

हीरे-ज्वेलरी पर जीएसटी की नजर

केंद्र ने दी मंजूरी, अब राज्य तय करेंगे कि नियम कब लागू करना है

सूरत। एजेंसी

डायमंड और ज्वेलरी क्षेत्र में हो रही दो नंबरी माल की हेराफेरी पर लगाम लगाने और इस क्षेत्र के

हिसाबों पर छिपी निगरानी रखने को केंद्र सरकार ने ई-वेब बिल सिस्टम लागू किया है। हालांकि, राज्यों को फिलहाल यह छूट है कि योजना लागू करें या नहीं और कब से करनी है। फिलहाल सभी वस्तुएं ई-वे बिल के दायरे में हैं, लेकिन हीरा-ज्वेलरी लॉबी में राजनीतिक मजबूती से इस क्षेत्र में यह सिस्टम लागू नहीं है। ई-वे बिल लागू होने पर सड़कों पर वाहनों की चेकिंग होगी और ई-वे बिल न होने पर वाहन जब्त किए जाएंगे।

ई-वे बिल से व्यापारी आएंगे टैक्स के दायरे में

डायमंड-ज्वेलरी का स्थानीय व्यापार हो या विदेश में आयात-निर्यात, यह करोड़ों में है। अकेले हीरों का सालाना निर्यात दो लाख करोड़ रुपए का है। अगर ई-वे बिल लागू हुआ तो ज्वैलर्स हों या हीरा व्यापारी, हर कोई टैक्स के जाल में फंस जाएगा। अगर लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया जाता तो 2 लाख रु. से ज्यादा का माल होने पर वाहन में माल के साथ ई-वे बिल भी रखना होगा।

इसके साथ लागू हुए कई नियम

केवल राज्यों में ही हेराफेरी के लिए ही ई-वे बिल जरूरी, राज्य के बाहर माल जाने पर नहीं सभी राज्यों को अलग से अधिसूचना जारी करनी होगी सेल्स, जॉब वर्क, गुड्स अप्रूवल, होल मार्किंग समेत अन्य कामों के लिए ई-वे बिल जरूरी कंसाइनमेंट वैल्यू में दोनों जीएसटी जोड़ना होगा।

ई-वे बिल में वाहन नंबर नहीं

जो नियम लागू किए गए हैं उनमें सुरक्षा की दृष्टि से अहम नियम गाड़ी के नंबर के लिए है। व्यापारियों को लूट या अन्य घटनाओं से बचने के लिए ई-वे बिल पर वाहन का नंबर नहीं लिखना होगा। ऐसे में यह वाहन कोई भी ट्रैक नहीं कर पाएगा। हालांकि, इसके अलावा, ई-वे बिल की जरूरत हर चरण में पड़ेगी।

आरबीआई ई-रुपये के प्रयोग को यूपीआई के जरिए बढ़ाने का प्रयास

रोजाना 10 लाख ट्रांजेक्शन 'दूर की कौड़ी'

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए चल रहे अभियान के तहत, भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर 2022 में एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी), ई-रुपी को शुरू किया. अब, आरबीआई का लक्ष्य इसके माध्यम से सीबीडीसी के उपयोग को बढ़ाना है। अब साल के अंत तक यूपीआई प्लेटफॉर्म के ज़रिए सीबीडीसी ट्रांजेक्शन को बढ़ाकर 1 मिलियन या दस लाख तक करना चाहती है। हालांकि, इसकी शुरू करने में जुड़े हुए विशेषज्ञों का दावा है कि यह लक्ष्य 'दूर की कौड़ी' है, विशेष रूप से ई-रुपी के बारे में जागरूकता की कमी और पायलट प्रोग्राम में भाग लेने वाले बैंकों की सीमित संख्या को देखते हुए।

सीबीडीसी किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी की गई करेंसी होती है, लेकिन वह नोट और सिक्कों के बजाय डिजिटल रूप से मौजूद होती है। हालांकि, वे निजी क्रिप्टोकरेंसी के समान कार्य करते हैं, फिर भी वे 'सुरक्षित' माने जाते हैं और संपत्ति के बजाय लेनदेन के माध्यम के रूप में काम करते हैं। फिलहाल आरबीआई को सीबीडीसी से काफी उम्मीदें हैं। एक कॉन्क्लेव में बोलते हुए, आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबि शंकर ने कहा कि केंद्रीय बैंक सीबीडीसी-यूपीआई इंटरऑपरेबिलिटी को लागू करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने बैंकों से वर्ष के अंत तक सीबीडीसी का उपयोग करके प्रतिदिन दस लाख लेन-देन संभालने के लिए तैयार रहने को भी कहा।

मई में जारी केंद्रीय बैंक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सीबीडीसी के अब तक के पायलट रन के परिणाम 'संतोषजनक और उम्मीदों के अनुरूप' रहे हैं, आरबीआई के अधिकारियों के साथ-साथ भाग लेने वाले बैंकों का कहना है कि इसके प्रयोग को बढ़ावा देने में रुकावटें आ सकती हैं। वर्तमान में, ई-रुपये के बारे में जागरूकता अभी भी सीमित है, आरबीआई सीबीडीसी को समझने के लिए केवल एक कॉन्सेप्ट नोट और वीडियो उपलब्ध करा रही है।

रिटेल पेमेंट की बात करें तो, पायलट प्रोजेक्ट में केवल 13 भागीदार बैंक शामिल हैं, जिनमें से कुछ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक हैं। इन बैंकों ने सीमित संख्या में ग्राहकों को डिजिटल रुपये के साथ प्रयोग करने और रिटेल पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का विकल्प प्रदान किया है। हालांकि, यह नहीं पता है कि लोगों को किस आधार पर चुना गया है।

एचडीएफसी के एक बयान और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एचडीएफसी बैंक पहला और अब तक का एक मात्र बैंक है जिसने चुनिंदा यूज़र्स के लिए सीबीडीसी में लेनदेन के लिए यूपीआई स्कैन कोड पेश किया है। अन्य भागीदार बैंकों ने अभी तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इंटरऑपरेटबिलिटी की शुरुआत नहीं की है।

दूर की कौड़ी लक्ष्य

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी 2022 के केंद्रीय बजट प्रस्तुति के दौरान सीबीडीसी की शुरूआत की थी. इसके बाद, थोक पायलट प्रोजेक्ट नवंबर 2022 में शुरू हुआ, उसके बाद उसी साल दिसंबर में रिटेल पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जून तक लगभग 13 लाख यूज़र्स ने सीबीडीसी वॉलेट डाउनलोड किया, जिसमें लगभग 3 लाख विक्रेता ई-रुपये में भुगतान स्वीकार कर रहे थे।

अब, साल के अंत तक प्रति दिन दस लाख सीबीडीसी लेन-देन प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर विशेषज्ञों को संदेह है। वित्तीय क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने वाली आरबीआई की सहायक कंपनी, रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य मृत्युंजय महापात्रा ने कहा, 'हमारी बैंकिंग प्रणाली को अभी भी इस बदलाव को प्रोसेस करने के लिए समय की आवश्यकता है।'

उन्होंने कहा, 'पहली बिटक्वाइन के बारे में रिपोर्ट किए हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है और अभी भी बहुत कुछ बाकी है। इसलिए, मुझे लगता है कि बड़े पैमाने पर सीबीडीसी को संचालित करने के लिए प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के स्तर को अपनाने में हमें कुछ समय लगेगा। एक दिन में दस लाख लेन-देन एक दूरगामी लक्ष्य है। पीडब्ल्यूसी इंडिया में पेमेंट ट्रांसफॉर्मेशन के पार्टनर मिहिर गांधी इस आकलन से सहमत हुए, उन्होंने कहा कि वित्तीय संस्थान और आरबीआई अभी भी इस अवधारणा को अच्छी तरह से समझने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीबीडीसी को व्यापक रूप से अपनाने के साथ एक प्रमुख मुद्दा यह है कि यह क्या है और यह यूपीआई से कैसे अलग है, इसके बारे में जागरूकता की कमी है, जिसमें पैसे का डिजिटल लेनदेन भी शामिल है। हालांकि, गांधी ने कहा कि उपयोग के मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ, आरबीआई अपने सहयोगियों के साथ इस विषय पर प्रभावी कम्युनिकेशन की रणनीति बनाएगा।

UPI और Crypto से कैसे अलग है CBDC?

सीबीडीसी एक प्रकार की डिजिटल करेंसी है जो क्रिप्टोकरेंसी के समान डिस्ट्रीब्यूटेड-लेजर तकनीक पर आधारित है, लेकिन यह थोड़ा अलग तरीके से काम करता है। और हालांकि सीबीडीसी, यूपीआई के समान हैं, क्योंकि वे दोनों डिजिटल मुद्रा को स्टोर करने के लिए वॉलेट का उपयोग करते हैं, लेकिन दोनों को जारी किए जाने और यूज़ किए जाने का तरीका अलग है।

उन्होंने कहा, 'सीबीडीसी और मौजूदा यूपीआई सुविधा के बीच एक बड़ा अंतर यह है कि यूपीआई में लेनदेन की सुविधा के लिए बैंक की आवश्यकता होती है. सीबीडीसी के साथ, बैंक की जरूरत नहीं होती है। आप डिजिटल मनी को सीधे रिसीवर के सीबीडीसी खाते में ट्रांसफर कर सकते हैं। सीबीडीसी के माध्यम से लेनदेन करते समय, डिजिटल करेंसी भेजने वाले व्यक्ति के ई-वॉलेट से डेबिट की जाती है और सीधे प्राप्तकर्ता के वॉलेट में जमा की जाती है। इसके तहत पैसे को बैंक में जमा नहीं किया जाता है। हालांकि, रिटेल कस्टमर को सीबीडीसी बैंक के माध्यम से ही जारी किया जाता है। सिस्टम जिस तरह से काम करता है वह यह है कि रिटेल कस्टमर वॉलेट-आधारित ऐप का उपयोग कर सकते हैं जहां से वे सीबीडीसी जारी करने का रिक्वेस्ट कर सकते हैं। रिक्वेस्ट को ऐप के माध्यम से प्रोसेस किया जाएगा और भागीदार बैंक सीबीडीसी को ग्राहक के वॉलेट में स्थानांतरित कर देगा।

इसका मतलब यह है कि आरबीआई और अंतिम ग्राहक के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

गांधी ने बताया, 'पायलट में बैंक कस्टोडियन की भूमिका निभाते हैं. वे बिज़नेस-टू-बिज़नेस (B2B) और बिजनेस-टू-कस्टमर (B2C) दोनों भूमिकाएं निभाते हैं। बी2बी के लिए, बैंक ब्लॉकचेन तकनीक पर टोकन का उपयोग करके आरबीआई से सीबीडीसी प्राप्त करते हैं, और फिर बैंक सिक्युरिटीज़ के सेटलमेंट और लेनदेन के लिए डिजिटल मनी का उपयोग करते हैं जहां कोई कोलैटरल नहीं देना होता है।

गांधी ने कहा, बी2सी फ्रंट पर, बैंकों को एपीआई तकनीक का उपयोग करके आरबीआई द्वारा जारी डिजिटल सीबीडीसी को कस्टमर वॉलेट में ट्रांसफर करने की ज़रूरत है। जबकि सीबीडीसी को अक्सर भारत में क्रिप्टोकरेंसी के रिप्लेसमेंट के रूप में समझा जाता है, यह बिटक्वाइन जैसी निजी तौर पर जारी डिजिटल संपत्तियों से अलग है। महापात्रा ने कहा,'अन्य क्रिप्टोकरेंसी के विपरीत, सीबीडीसी डिस्ट्रीब्यूटेड-लेजर तकनीक पर आधारित है लेकिन सभी सिद्धांतों का पालन नहीं करता है। सीबीडीसी के मामले में केंद्रीय बैंक के पास डिजिटल रुपये को क्रिएट करने और जारी करने का एक मात्र अधिकार है, और इसका पूरा ट्रैक रिकॉर्ड भी उपलब्ध है।'

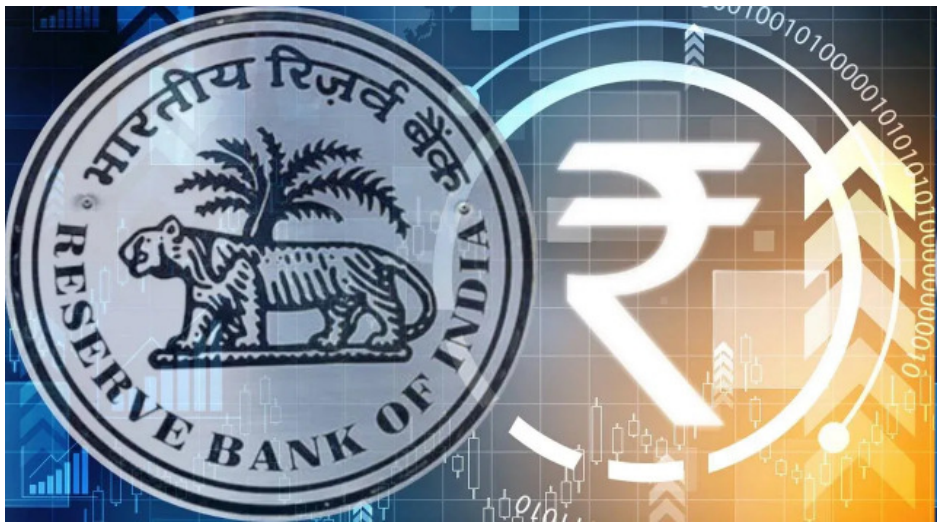

CBDC को बढ़ाने से क्या होगा फायदा?

वृहद स्तर पर, सीबीडीसी भौतिक नोटों की छपाई, भंडारण और वितरण की लागत को कम करने का एक अवसर प्रदान करते हैं। मुद्रा की छपाई आरबीआई के खर्च का एक बड़ा हिस्सा है, उदाहरण के लिए, 2021-22 में यह कथित तौर पर 5,000 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, आरबीआई अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह को भी नियंत्रित करता है। केंद्रीय बैंक लगातार बड़े पैमाने पर करेंसी नोटों की छपाई नहीं कर सकता, क्योंकि इससे लंबी अवधि में उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ेगी, पैसे का मूल्य कम होगा और अंततः मुद्रास्फीति को बढ़ावा मिलेगा। सीबीडीसी टोकन प्रणाली के माध्यम से अर्थव्यवस्था में पैसा डालने का अधिक नियंत्रित तरीका प्रदान करके इस जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, महापात्रा ने कहा, सीबीडीसी नकली मुद्रा की समस्या को भी कम करता है। उन्होंने कहा, 'सीबीडीसी के साथ, पैसे को लेकर सुरक्षा भी बढ़ जाती है। डिजिटल रुपये के स्वामित्व और हस्तांतरण का रिकॉर्ड अपरिवर्तनीय है। इससे नकली मुद्रा का खतरा भी कम हो जाता है। चूंकि सीबीडीसी आरबीआई द्वारा अनुमोदित और जारी किया गया है, इसलिए सीबीडीसी जारी करने का अधिकार केंद्रीय बैंक के पास है। आरबीआई ने यह तर्क भी पेश किया है कि डिजिटल रुपये से बैंकों के शामिल होने की प्रक्रिया भी खत्म हो जाती है। वर्तमान यूपीआई भुगतान प्रणाली में, जब कोई उपयोगकर्ता किसी व्यापारी/उपयोगकर्ता को पैसे भेजता है, तो पैसा प्रेषक के बैंक खाते से डेबिट हो जाता है और फिर यूपीआई प्रणाली के माध्यम से प्राप्तकर्ता के बैंक खाते में जमा हो जाता है। प्राप्तकर्ता बैंक के माध्यम से जाए बिना सीधे धन का उपयोग नहीं कर सकता है। महापात्रा ने कहा कि सीबीडीसी के ज़रिए पैसा खो नहीं सकता है. भौतिक मुद्रा के विपरीत, डिजिटल मुद्रा को नष्ट नहीं किया जा सकता क्योंकि इसका एक स्थायी ट्रेसिंग रिकॉर्ड होता है।

डिजिटल रुपये के नुकसान

सीबीडीसी प्रणाली में कुछ कमियां हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है ब्याज अर्जित करने में असमर्थता। गांधी ने समझाया, 'हालांकि सीबीडीसी एक डिजिटल मुद्रा है, लेकिन इससे बचत खातों में ब्याज नहीं मिलता है। आप सीबीडीसी को सावधि जमा, या बैंकों में आवर्ती जमा में डिपॉज़िट नहीं कर सकते जैसा कि आप मौजूदा मुद्रा के साथ कर सकते हैं। इसे केवल वॉलेट में ही रखा जा सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह फैक्टर इसे अपनाने में बाधा के रूप में कार्य करता है क्योंकि यूज़र्स को अपने पैसे को गैर-ब्याज वाले खाते में ट्रांसफर करना मुश्किल है।

खेल जगत को अधिक रोचक और रोमांचक बनाती कृत्रिम बुद्धिमत्ता

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक एवं विचारक

जैसे-जैसे हम प्रौद्योगिकी-समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का असर हर क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई पड़ता है। विभिन्न प्रकार की 'स्मार्ट' तकनीक हमारे जीवन को आसान और आनंद दायक बना रही है। खेल जगत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है। पिछले दो दशकों में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जानकारी के उपभोग और विश्लेषण के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है।

सांख्यिकीय आँकड़े खेल उद्योग में एक केंद्रीय भूमिका निभाते है और एआई तेजी से बड़ी मात्रा में जानकारी एकत्र कर सकती है, जटिल डेटा का विश्लेषण कर अपेक्षित परिणाम भी प्रदान कर सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता खिलाड़ियों की खोज और भर्ती से लेकर प्रदर्शन में सुधार और चोटों की रोकथाम तक, खेल खेलने से लेकर खेल देखने के तरीके तक को भी मूलभूत रूप से बदल रही है। आज एआई खिलाड़ियों, दर्शकों, प्रशंसकों और आयोजकों को स्मार्ट बनने में मदद कर रही है।

एआई का सबसे आशाजनक अनुप्रयोग खेल में प्रतिभा की पहचान और भर्ती में है। एआई -संचालित एल्गोरिदम खिलाड़ियों के आंकड़ों, खेल के फुटेज और सोशल मीडिया गतिविधि जैसे विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं ताकि भविष्य के चमकदार सितारों की पहचान की जा सके। यह टीमों को समय और धन बचाने में मदद कर सकता है क्योंकि एआई की सहायता से वे अपनी जरूरतों के अनुरूप सही खिलाड़ियों को लक्षित कर सकते हैं।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए एआई -संचालित पहनने योग्य उपकरण जो खिलाड़ियों की हर गतिविधी जैसे रक्तचाप, हृदय गति, तनाव आदि के स्तर को वास्तविक समय में निरंतर माप सकते हैं। जिसका उपयोग उनके प्रदर्शन पर पड़ रहे प्रभाव को जाँचने और गुणवत्ता में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।

एआई को प्रत्येक खिलाड़ी की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप उसके प्रदर्शन में अपेक्षित सुधार लाने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है जो खिलाड़ियों को यह समझने में मदद कर सकता है कि वे कहाँ पर अच्छा कर रहे हैं और कहाँ पर सुधार की आवश्यकता है। निरंतर एकत्रित समस्त जानकारी खिलाड़ियों को यह पता लगाने में मदद कर सकती है कि वे एक विशिष्ट खेल परिस्थितीयों में कैसा प्रदर्शन करेंगे और जीतने की लालसा जनित दबाव से उत्पन्न तनाव के स्तर को कम करने के लिए वो क्या कर सकते हैं।

मैदानी खेलों में खिलाड़ी अक्सर चोटिल होते रहते है जो कभी कभी गंभीर रूप ले लेती है, एआई खिलाड़ियों को यह समझने में मदद कर सकता है कि वे कब थक गए हैं और कब आराम करने की आवश्यकता है। खेल के दौरान चोटों की रोकथाम के लिए एआई -संचालित एल्गोरिदम मैदान में खिलाड़ियों की हरकतों के डेटा का विश्लेषण कर सकती है ताकि उन पैटर्न की पहचान की जा सके जो चोटों का कारण बन सकते हैं। इस जानकारी का उपयोग निवारक उपाय करने के लिए किया जा सकता है, जैसे कि लक्षित प्रशिक्षण अभ्यास या किसी खिलाड़ी के उपकरण में बदलाव।

एआई का उपयोग खेल के दर्शकों और प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर के लिए भी किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, एआई का उपयोग वास्तविक समय की रोचक और टिप्पणी और सारगर्भित विश्लेषण प्रदान करने, व्यक्तिगत हाइलाइट रिलीज़ करने और यहां तक कि खेलों के आभासी वास्तविकता सिमुलेशन उत्पन्न करने के लिए भी किया जा सकता है।

खेल में एआई का उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त खेल वह है जो डेटा-गहन है और जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन को मापने के लिए स्पष्ट और परिभाषित मानदंड हैं। जैसे क्रिकेट जो एक बहुत ही डेटा-गहन खेल है जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन को मापने के लिए कई तरह के स्थापित मानदंड हैं। इस खेल में एआई का उपयोग गेंदबाजों को यह अनुमान लगाने में मदद करने के लिए किया जा सकता है कि बल्लेबाज कौनसा शॉट खेलेगा, या बल्लेबाजों को यह अनुमान लगाने में मदद करने के लिए कि गेंदबाज द्वारा कौन सी गेंद फेंकने की संभावना है।

इसी तरह फुटबॉल में एआई का उपयोग डिफेंडर को यह अनुमान लगाने में मदद करने के लिए किया जा सकता है कि कौन से खिलाड़ी में कब पास करने की संभावना है, या बॉल की वर्तमान स्थिति, हवा की दिशा और गति, मैदान की हालत, खिलाड़ियों की जमावट, गोल पोस्ट से दूरी जैसी जानकारियों को वास्तविक समय में संधारित कर स्ट्राइकर को यह अनुमान लगाने में मदद कर सकता है कि गेंद कहाँ जाएगी।

खेलों में तकनीक के बढ़ते दखल को देखते हुए यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या भविष्य में एआई विभिन्न खेलों से वास्तविक मनुष्यों को प्रतिस्थापित करेगा। देखा जाए तो एआई वर्तमान में खेल जगत में कई तरह से उपयोग में लाया जा रहा है, लेकिन यह अभी भी खिलाड़ियों के साथ वास्तविक प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुआ है। खेल में मनुष्यों की उपस्थिति खेल के आनंद की अनुभूति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल मनुष्यों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग का एक मंच है, और एआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने से यह खो सकता है। अतः खेल से मनुष्य खिलाड़ियों के प्रतिस्थापन की संभावना धूमिल दिखाई पड़ती है।

एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि यदि सभी टीमें एआई का उपयोग करें, तो जीतेगा कौन। इस बात का उत्तर कई कारकों पर निर्भर करेगा, जैसे कि एआई एल्गोरिदम की गुणवत्ता, एआई को उपलब्ध डेटा की मात्रा और एआई को प्रोग्रामिंग और प्रबंधित करने वाले मनुष्यों की कुशलता। एआई के साथ सबसे अच्छी टीमों को महत्वपूर्ण लाभ होगा। एआई का उपयोग जानकारी आधारित सटीक और विजयी रणनीति विकसित करने के लिए किया जा सकता है। यह एक अधिक प्रतिस्पर्धी और रोमांचक खेल परिदृश्य का नेतृत्व कर सकता है।

यह भी संभव है कि एआई के साथ सभी टीमें समान रूप से अच्छी तरह से प्रदर्शन करें, लेकिन फिर भी विजय उस टीम को ही हासिल होगी जो सबसे अच्छी रणनीति बनाती है और एआई का सबसे कुशलता से उपयोग करती है।

कुल मिलाकर, एआई खेल उद्योग पर एक बड़ा प्रभाव डाल रहा है। तकनीक के विकास के साथ, एआई द्वारा भविष्य में खेल के खेलने और देखने के तरीके को और भी अधिक प्रभावित करने की संभावना है। जैसे जैसे एआई तकनीक आगे बढ़ती है, यह देखना और महसूस करना रोमांचक होगा कि खेल की दुनिया कैसे बदलती है ।

होम लोन की EMI में दो साल में 20 प्रतिशत का इजाफा, कैसे पूरा होगा मिडिल क्लास के घर का सपना?

मुंबई । एजेंसी

महंगे ब्याज का सबसे ज्यादा असर अर्फोडेबल हाउसिंग या यों कहें कि किफायती घरों की बिक्री पर आया है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार महामारी का सबसे ज्यादा असर किफायती घरों की कैटेगरी पर पड़ा है। साल 2023 के पहले छह महीनों के दौरान अफोर्डेबल हाउसिंग की बिक्री में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई है। इसका सबसे बड़ा कारण EMIs के बोझ में रेकॉर्ड बढ़ोतरी है। अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट में EMI का बोझ पिछले 2 साल में 20 प्रतिशत बढ़ा है। एनारॉक ग्रुप के रिसर्च हेड प्रशांत ठाकुर का कहना है कि 20 साल में कुल ब्याज प्रिंसिपल से अधिक हो रहा। यही वजह है कि 2023 के पहली हाफ में 20 पर्सेंट और 2022 के इसी समय से तुलना करें तो बिक्री में 31% की गिरावट आई है।

बैंक बढ़ा रहे ब्याज दरें

जानकारों का कहना है कि अब जबकि रिजर्व बैंक ने रीपो रेट को दो बार से स्थिर रखा है। उसके बाद भी बैंक ब्याज दरों को बढ़ाए जा रहे हैं। ताजा मामले में तीन बैंकों ने इस महीने की शुरुआत से अपनी ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नैशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने 1 अगस्त से मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट यानी MCLR को बढ़ा दिया है। स्वाभाविक है कि इसके बढ़ने से हर तरह के लोन महंगे हुए हैं।

कम नहीं हुआ खतरा

महंगाई के फिर से चढ़ने से ऐसी आशंकाएं सामने आ रही हैं कि रिजर्व बैंक को इस महीने होने वाली बैठक में रीपो रेट को फिर बढ़ाने का फैसला लेना पड़ सकता है। सनराइज ग्रुप के फाउंडर बीसी जैन के अनुसार किफायती घरों की बिक्री कम होने के कई कारण हैं। महंगाई और EMI का बढ़ना तो प्रमुख है ही, इसके अलावा डिमांड आने से प्रॉपर्टी के दाम में बढ़ोतरी, लैंड कॉस्ट में तेजी और कंस्ट्रक्शन की लागत के ज्यादा होने से भी असर पड़ा है। सरकार को इस सेगमेंट में घर खरीदारों को कुछ छूट देनी चाहिए।

ये हो रही है परेशानी

- 30 लाख तक के फ्लोटिंग होम लोन लेने वालों की परेशानी
- फ्लोटिंग ब्याज दरें 2021 में 6.7% से बढ़कर 9.15% हुईं
- जुलाई 2021 में EMI 22,700 रु थी, जो अब बढ़कर 27,300 रुपये हो गई हैं
- 20 साल की अवधि के लिए टोटल इंटरेस्ट अब प्रिंसिपल से अधिक
- RBI ने इस दौरान की रीपो रेट में लगभग 250 bps की वृद्धि

ब्याज के बोझ से मिलेगी राहत या बढ़ेगी ईएमआई

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में बढ़ती महंगाई के बीच लोन भी महंगा होता जा रहा है। पिछले एक साल के दौरान देश में हर तरह का लोन महंगा हो गया है। पर्सनल लोन, कार लोन और होम लोन इन सबकी ईएमआई भरने के लिए लोगों को ज्यादा पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। लोग काफी समय से लोन सस्ता होने की उम्मीद लगाए हुए हैं। अब लोगों का इंतजार खत्म होने वाला है। आम आदमी को ब्याज के बोझ से राहत मिलेगी या फिर ईएमआई का बढ़ेगी। इस हफ्ते इसका फैसला हो जाएगा। दरअसल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक अहम बैठक कल यानी 8 अगस्त से शुरू हो रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee) की बैठक 10 अगस्त 2023 तक चलेगी। इसके नतीजे 10 अगस्त को सामने आएंगे।

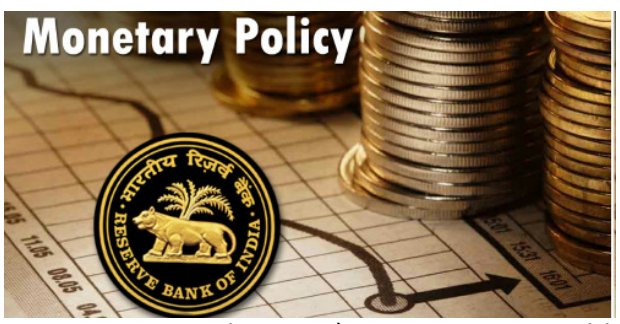

बता दें कि मौद्रिक समिति हर 2 महीनों में तीन दिनों के लिए बैठक करती है। दो दिन मीटिंग चलती है। तीसरे दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरबीआई गवर्नर कमेटी के फैसले की घोषणा करते हैं।

अभी कितनी है रेपो रेट

आरबीआई ने देश में बढ़ती महंगाई को रोकने के लिए मई 2022 के बाद से रेपो रेट को कई बार बढ़ाया है। इसके चलते नीतिगत दर रेपो 2.5 फीसदी बढ़कर फरवरी 2023 में 6.5 फीसदी पर पहुंच गई थी। रिजर्स बैंक की जब अप्रैल 2023 में मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई तो रेपो रेट को यथावत रखने का फैसला किया। इस तरह अभी रेपो रेट 6.5 फीसदी है। हालांकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अपनी आगामी द्विमासिक पॉलिसी रिव्यू में लगातार तीसरी बार प्रमुख ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रख सकता है।

10 को सामने आएंगे नतीजे

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी की बैठक के बाद 10 अगस्त को इसके नतीजों की घोषणा होगी। बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास गुरुवार को फैसलों की जानकारी देंगे।

बेहद सस्ता ये रत्न आपको कर देगा मालामाल, चुंबक की तरह खिंचता है पैसा

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

हर कोई चाहता है कि उसके पास धन धान्य की कोई कमी न रहें। इसके लिए हम दिन रात मेहनत भी करते हैं लेकिन, कई बार व्यक्ति को अपनी मेहनत के अनुसार, फल नहीं मिल पाता है। ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे रत्नों के बारे में बताया गया है। जो धन संबंधी परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए काफी उपयोगी हैं। ऐसा ही एक रत्न है पाइराइट। पाइराइट सूर्य का उपरत्न हैं। पाइराइट का उपयोग घर में समृद्धि और धन को आकर्षित करता है। आइए जानते हैं पाइराइट से जुड़ी खास बातें।

पाइराइट से बढ़ती है निर्णय लेने की क्षमता

रत्न शास्त्र के अनुसार, जो व्यक्ति निर्णय लेने में काफी संकोच में रहते हैं अगर वह पाइराइट का इस्तेमाल करें तो उनके निर्णय लेने की क्षमता पहले से मजबूत हो जाती है। इसका इस्तेमाल व्यक्ति के अंदर साहस लेकर आता है।

पाइराइट धन समृद्धि के लिए उपयोगी

पाइराइट का इस्तेमाल व्यक्ति को समृद्धि और धन की ओर सफलता के मार्ग पर ले जाएगा। इसके लिए बस आपके घर में एक पाइराइट होना जरूरी है। आप इसे वहां रख सकते हैं जहां आप अपना धन रखते हैं।

व्यापार के लिए भी लाभकारी पाइराइट

अगर किसी व्यक्ति को व्यापार में हानि हो रही है तो वह पाइराइट को अपने ऑफिस में रख सकते हैं। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और आपके व्यापार को बढ़ाने में काफी मदद करेंगा। इसके इस्तेमाल से आपको जल्द ही अपना कारोबार पर असर दिखाई देने लगेगा। लेकिन, ध्यान रखें की ऑफिस में गोल्डन रंग का पाइराइट ही रखें। इसी ऐसी जगह पर रखें जहां आप अपनी मीटिंग रखते हैं।

गोल्डन पाइराइट कर्ज से दिलाएगा मुक्ति

अगर किसी व्यक्ति पर काफी कर्जा हो गया है तो उन्हें भी गोल्डन पाइराइट का इस्तेमाल करना चाहिए। गोल्डन पाइराइट का इस्तेमाल से व्यक्ति को धीरे धीरे कर्ज से मुक्ति मिल जाती है। इसके लिए आपको अपने घर में जहां कोई इसे देख न पाए ऐसी जगह पर रखना होगा।

कैसी होनी चाहिए नेम प्लेट वास्तु की 5 बातों का रखें ध्यान, भूलकर भी ना करें ये गलती

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

वास्तु शास्त्र में ऐसी बहुत सी बातों का उल्लेख मिलता है जिनको अपनाकर जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाई जा सकती है. वास्तु शास्त्र में घर में रखी जाने वाली चीजों के अलावा नेम प्लेट को भी अहम माना गया है. नेम प्लेट ना सिर्फ आपके घर की पहचान होती है, बल्कि वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि यह पॉजिटिव एनर्जी को भी अपनी तरफ आकर्षित कर सकती है. बहुत से लोग अपने घरों का नामकरण करते हैं, और उस नाम की नेम प्लेट पर घर के मुखिया का नाम लिखकर मुख्य द्वार पर लगा देते हैं, लेकिन इस तरह नेम प्लेट को लगाना कितना सही है और कितना नहीं, यह वास्तु शास्त्र में बताया गया है. भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं. नेम प्लेट का महत्व और इसे लगाने के कुछ टिप्स.

घर के मुख्य द्वार पर नाम प्लेट लगाते समय ध्यान रखें

1. नेम प्लेट लगाते समय यह ध्यान रखें कि यह हमेशा साफ-सुथरी और सही आकार में ही हो. वास्तु शास्त्र के अनुसार सबसे अच्छी नेमप्लेट आयताकार ही मानी जाती है. इसके अलावा नेमप्लेट सदैव दो लाइनों में लिखी हुई होनी चाहिए. इसे प्रवेश द्वार के दाएं तरफ लगाना अच्छा होता है.

2. घर के मुख्य द्वार पर नेम प्लेट लगवाते समय इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि शब्दों की बनावट साफ अक्षरों में अंकित हो. नेम प्लेट पर आपका पद भी स्पष्ट रूप से लिखा हुआ होना चाहिए. नेम प्लेट पर नाम इस तरह से लिखा जाना उचित होता है कि वह बहुत ज्यादा भरी हुई ना दिखे और ना ही बहुत ज्यादा खाली दिखे.

3. यदि आप अपने घर के मुख्य द्वार की दीवार या दरवाजे पर नेमप्लेट को लगा रहे हैं तो यह दरवाजे की आधी ऊंचाई के ऊपर हो या फिर दीवार की आधी ऊंचाई के ऊपर लगी हुई हो. नेम प्लेट लगवाते समय यह ध्यान रखें कि यह कहीं ते टूटी-फूटी, गीली ना हो साथ ही नेम प्लेट में कहीं पर छेद भी नहीं होना चाहिए.

4. नेम प्लेट का रंग भी बहुत मायने रखता है. नेम प्लेट का रंग घर की मुखिया की राशि के अनुसार ही होना चाहिए. आप चाहें तो नेम प्लेट पर पानी और भगवान गणेश की आकृति बना सकते हैं या फिर स्वास्तिक का चिन्ह भी बनवा सकते हैं.

5. यदि आपके घर में लगी हुई नेमप्लेट टूट गई है या फिर उसकी पॉलिश उतर गई है. तो इसे तुरंत बदल देना ही उचित होगा. आप चाहें तो नेम प्लेट के ऊपर रोशनी के लिए एक छोटा सा बल्ब लगा सकते हैं. सदैव इस बात का ध्यान रखें कि नेम प्लेट के पीछे मकड़ी छिपकली या चिड़िया का वास नहीं होना चाहिए और यह सदैव साफ-सुथरी होनी चाहिए.

सोते समय तकिए के नीचे रखें ये चीज, रातोंरात बदल जाएगी किस्मत

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, यदि व्यक्ति अपनी किस्मत को बदलना चाहता है, तो उसे कुछ उपाय करने होते हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में ग्रह दोष होने के कारण माता लक्ष्मी का प्रकोप होता है, जिस कारण जातक माता लक्ष्मी का वास नहीं होता. ऐसे में वेद-पुराणों में बताए गए उपायों को करने से व्यक्ति की किस्मत के सितारे चमकने लगते हैं और उसे अपार धन के साथ कई सुखों की प्राप्ति होती है.

तकिए के नीचे मोर पंख रखने से व्यक्ति का भाग्य उदय हो जाता है. रात को सोते समय यदि व्यक्ति अपने तकिए के नीचे मोर पंख को रखकर सोए तो उसके आसपास का वातावरण भी सकारात्मक हो जाता है, मोर पंख को तकिए के नीचे रखने से कुंडली में लगे सभी दोष धीरे-धीरे खत्म हो जाते हैं. रातोंरात उसकी किस्मत के सितारे बदल जाते हैं. ऐसा करने से व्यक्ति को धन दौलत सुख समृद्धि के साथ-साथ मन में पैदा होने वाले नकारात्मक भाव भी खत्म हो जाते हैं.

घर का वातावरण रहता है सकारात्मक

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि भगवान श्री कृष्णा ने अपने मुकुट पर मोर पंख धारण किया हुआ है, यदि व्यक्ति मोर पंख को अपने तकिए के नीचे रखकर सोता है तो उसे धन की प्राप्ति होती है और मन में भय उत्पन्न नहीं होता. साथ ही शरीर भी स्वस्थ रहता है. मोर पंख भगवान श्री कृष्ण ने अपने मुकुट पर धारण किया हुआ है, इसलिए जो भी व्यक्ति अपने तकिए के नीचे मोर पंख रखकर सोता है उसके घर का वातावरण सकारात्मक रहता है और भगवान श्री कृष्णा का आभास उसे हर समय रहता है.

घर में रखें मोर पंख

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि सभी व्यक्तियों को अपने घर में मोर पंख रखना चाहिए ऐसा करने से भगवान श्री कृष्ण का वास उनके मन में होने के साथ-साथ घर में भी रहता है. मोर पंख नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर सकारात्मक ऊर्जा को उत्पन्न करता है.

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

घर पर है शिवलिंग तो इस विधि से करें पूजा, भूलकर भी न करें ये गलतियां

हिंदू घरों में कुछ लोग रोजाना अपने घरों में शिवलिंग की पूजा करते हैं और जल चढ़ाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर आपने घर पर शिवलिंग स्थापित किया हुआ है तो उसकी पूजा के कुछ खास नियम होते हैं। इन नियमों का पालन भगवान शिव की पूजा में करना अनिवार्य माना जाता है। अगर आप स्वच्छता के साथ एक लोटा जल और बेलपत्र महादेव को अर्पित करते हैं तो वह बहुत जल्द अपने भक्तों से प्रसन्न हो जाते हैं।

आइए आपको बताते हैं घर में शिवलिंग की पूजा करने के नियम।

अगर आपने अपने घर में शिवलिंग स्थापित किया है तो रोजाना नियमित रूप से उसकी पूजा करें। यदि आप समय की कमी या फिर किसी और कारण से शिवलिंग का जलाभिषेक नहीं कर पाते हैं तो घर में शिवलिंग न स्थापित करें। शिवलिंग की नियमित रूप से पूजा न करने पर आपको शिवजी का क्रोध झेलना पड़ सकता है और आपको इसके अशुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

घर में स्थापित किए जाने वाले शिवलिंग की लंबाई आपके अंगूठे से बड़ी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि शिव पुराण में इस नियम का उल्लेख है कि अगर आप अपने घर में अंगूठे से बड़े आकार का शिवलिंग रखते हैं तो आपको अशुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

घर पर शिवलिंग है तो इस बात का ध्यान रखें कि हमेशा उत्तर दिशा की ओर मुख करके ही जल चढ़ाएं। भूलकर भी दक्षिण दिशा या फिर पूर्व दिशा की ओर मुख करके जल न चढ़ाएं। उत्तर दिशा की ओर मुख करके जल चढ़ाने से आपको शिवजी और माता पार्वती दोनों की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

कभी भी भगवान शिव को स्टील के लोटे से जल न चढ़ाएं। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। हमेशा भगवान शिव को तांबे के लोटे से ही जल अर्पित करें। पीतल के लोटे का भी प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन भूलकर भी लोहे के पात्र का प्रयोग न करें।

ध्यान रखें कि भूलकर भी भगवान शिव की क्रोध मुद्रा की तस्वीर घर में न लगाएं। ऐसी तस्वीर लगाने से परिवार के लोगों में आपस में क्रोध बढ़ता है और बात-बात पर झगड़े होते हैं।

ईज़माइट्रिप की सेल... छुट्टियों के लिए फ्लाईट, होटल, बस, कैब, क्रूज़ पर शानदार डिस्काउंट की घोषणा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफार्मों में से एक, ईज़माइट्रिप डॉट कॉम ने अपने सीज़नल ऑफर, आज़ादी मेगा सेल की घोषणा की है। यात्रा पर बिक्री और छूट का यह शानदार ऑफर 1 से 10 अगस्त, 2023 तक जारी रहेगा। ईज़माइट्रिप आज़ादी मेगा सेल ईज़माइट्रिप की आधिकारिक वेबसाइट और ऐप पर लाइव होगी। बिक्री में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों, होटल, कैब, बस, क्रूज और हॉलिडे पैकेज पर डिस्काउंट दिया जाएगा।

इस सेल में ग्राहक भुगतान के दौरान कूपन कोड 'EMTAZAADI' का उपयोग कर बस बुकिंग और होटल बुकिंग पर अच्छी डील ले सकेंगें। अधिक छूट प्राप्त करने के लिए, आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड, इंक्लूडिंग अमेज़न पे क्रेडिट कार्ड (1 से 5 अगस्त) और आरबीएल बैंक क्रेडिट कार्ड (6 से 7 अगस्त) का उपयोग करके बुकिंग करें।

ग्राहक इस सेल के दौरान कई एयरलाइन्स, जैसे कि अमेरिकन एयरलाइंस, ब्रिटिश एयरवेज़, मलेशियाई एयरलाइंस, एयर इंडिया, एयर सेशेल्स, इजिप्ट एयर, एयर अरबिया अबू धाबी, क्वांटास, जापान एयरलाइंस, वर्जिन अटलांटिक, एयर मॉरीशस, सिंगापुर, एटिहाड, लॉट पोलिश, और केन्या एयरवेज़ पर छूट प्राप्त कर सकते हैं। चयनित होटलों पर भी छूट प्राप्त की जा सकती है जिनमें लीला, वेलकमहेरिटेज, स्टर्लिंग, फर्न, लॉर्ड्स होटल, एमपीटी, स्प्री होटल, प्राइड होटल, उदय समुद्रा ग्रुप, लेजर, क्लार्क्स होटल और रिज़ॉर्ट्स, फ़ैब होटल, फ़तेह कलेक्शन, ग्रेट ट्रेल्स-जीआरटी, ले रॉय, सिग्नेट, अनंता होटल्स, तोशाली, ट्री हाउस, सुबा होटल्स, लाइम ट्री होटल्स, श्रीगो, वन अर्थ, जेकेयूएसटीए, गो स्टॉप्स, समिति होटल और माउंट ग्रुप ऑफ़ होटल्स शामिल हैं। ग्राहक एजिओ, गाना, स्विज़ मिलिट्री, आईजीपी, कपिवा और नेटमेड्स जैसे साथी ब्रांडों से विशेष उपहार भी प्राप्त कर सकते हैं।

ईज़माइट्रिप के सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी ने कहा - 'ईज़माइट्रिप बैंडवैगन हमेशा से ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएँ देती आ रही है। इस आज़ादी दिवस पर हम अपने पुराने ग्राहक परिवार और नए ग्राहकों को ईज़माइट्रिप के साथ बुकिंग को आसान अनुभव करने और हर श्रेणी पर महा डिस्काउंट प्राप्त करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। त्यौहार की शुरुआत में हम अपने ग्राहकों के लिए और भी शानदार डील्स लाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे अपने सफ़र को और मज़ेदार बना सकें।

भारत सरकार के चावल प्रतिबंध से थाईलैंड को मिला फायदा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

केंद्र सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से 20 जुलाई को गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगा दी थी। मोदी सरकार के इस निर्णय के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की मांग और कीमतों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। जिसका फायदा थाईलैंड को हो रहा है।

थाईलैंड दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश

थाईलैंड, भारत के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है। थाई राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चारोएन लआओथमाटस ने कहा, थाईलैंड ने पिछले साल 7.71 मिलियन मीट्रिक टन चावल निर्यात किया था। वहीं, इस साल 8 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक चावल निर्यात करने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेड से जुड़े दो सूत्रों ने पिछले सप्ताह बताया था कि भारत की ओर से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद थाईलैंड और वियतनाम के कुछ चावल निर्यातक बिक्री अनुबंध की कीमतों पर फिर से बातचीत कर रहे थे। ताइवान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश है।

चावल की कीमतों में वृद्धि की क्या हैं वजहें?

चावल की बढ़ती कीमतों की कई वजहें हैं. इनमें से एक है चावल की मांग में बढ़ोतरी, साथ ही कुछ चावल उत्पादक देशों में अनियमित मौसम की स्थिति के कारण भी पैदावार का कम होना भी है। जिसकी वजह से आपूर्ति में अधिक गिरावट आई है। भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं, जहां औसत से कम बारिश हुई। खासकर उन राज्यों में कम बारिश हुई, जहां धान का सबसे ज्यादा पैदा होता है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में अपेक्षाकृत धान की कम बुआई हो पाई है। जबकि पश्चिम बंगाल धान का बड़ा उत्पादक राज्य है।

भारत ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगाया बैन

भारत सरकार ने आगामी त्योहारी सीजन के दौरान घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए 20 जुलाई को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। साल 2022-23 में चावल के कुल वैश्विक निर्यात में भारत का 40 फीसद योगदान था।

देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है। 2022-23 में भारत के गैर-बासमती सफेद चावल का कुल निर्यात 42 लाख डॉलर का था जबकि पिछले साल यह निर्यात 26.2 लाख डॉलर का था। भारत सबसे ज्यादा गैर-बासमती सफेद चावल थाईलैंड, इटली, स्पेन, श्रीलंका और अमेरिका को निर्यात करता है।

सेंसेक्स 149 अंक उछला, 16,600 के पार बंद हुआ निफ्टी

निवेशकों ने 97 हजार करोड़ रुपये कमाया

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली. सेंसेक्स-निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर पर बंद हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही जबकि मिडकैप इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स (Sensex) 149.31 अंक यानी 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 65,995.81 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी (Nifty) 61.70 अंक यानी 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 19632.55 के स्तर पर बंद हुआ।

निवेशकों की रुपए 97,000 करोड़ बढ़ी संपत्ति

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 9 अगस्त को बढ़कर 306.32 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन (8 अगस्त) को 305.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 97 हजार करोड़ रुपये बढ़ा है।

मंगलवार को लाल निशान पर बंद हुआ था बाजार

पिछले कारोबारी सत्र में, बीएसई सेंसेक्स 106.98 अंक यानी 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 65,846.50 अंक पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी भी 26.45 अंक यानी 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 19,570.85 अंक पर बंद हुआ था।

सब्जी से टमाटर 'लापता' तो अब चाय से अदरक भी गायब, हफ्ते भर में दोगुना हुआ भाव

नई दिल्ली। एजेंसी

टमाटर तो मानों किचन का रास्ता ही भूल गया हो। दो महीने से टमाटर की कीमतों में आई तेजी से थाली से दूर कर दिया है। जून तक जो टमाटर किलो में खरीद रहे थे, अब वो ग्राम में पहुंच गया है। टमाटर के भाव घटने के बजाए और बढ़ते ही जा रहे हैं। हालात ये है कि मई में 15 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर आज 250 से 280 रुपये किलो बिक रहा है। अगर आप ये सोच रहे हैं कि कुछ दिन बाद राहत मिल जाएगी, तो आप गलत है। आने वाले दिनों में टमाटर की कीमत और बढ़ने वाली है। टमाटर के भाव 300 रुपये किलो को पार कर जाएंगे। केंद्र सरकार 14 जुलाई से ही रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू किया, लेकिन ये जरूरत को पूरा करने में नाकाम है। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में खुदरा कीमतें नरम पड़नी शुरू हो गई थीं, लेकिन आपूर्ति में कमी आने से कीमतें दोबारा बढ़ने लगी हैं।

रुपये 300 के पार जाएगा टमाटर

टमाटर की कीमतों में लगातार आ रही तेजी जल्द ही इसके दाम को 300 रुपये प्रति किलो के पार पहुंचा देगा। होलसेल मार्केट में थोक व्यापारियों ने टमाटर की कीमत 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाने की आशंका जताई है। सब्जी कारोबारियों का कहना है कि आवक कम होने से टमाटर के थोक दाम बढ़ सकते हैं और इसका असर खुदरा कीमतों पर भी पड़ेगा। जिसकी वजह से टमाटर के रीटेल प्राइस बढ़ सकते हैं। इस बारे में दिल्ली के आजादपुर टमाटर एसोसिएशन के अध्यक्ष और एपीएमसी के सदस्य अशोक कौशिक ने कहा कि पिछले तीन दिनों में टमाटर की सप्लाई कम हो गई है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण टमाटर के उत्पादक राज्यों में फसल बर्बाद हो गई है। जो टमाटर थोक बाजार में एक हफ्ते पहले तक 60 रुपए प्रति किलो बिक रहे थे वो 220 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गए हैं। टमाटर की पैदावार वाले राज्य जैसे हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण सप्लाई प्रभावित हो गई है। वहां से दिल्ली तक सब्जियां पहुंचने में छह-आठ घंटे अधिक लग रहे हैं। ऐसी स्थिति में टमाटर की कीमत लगभग 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

अदरक भी हुआ महंगा

टमाटर के साथ-साथ बाकी सब्जियों की कीमत भी बढ़ रही है। टमाटर के दाम में तेजी जारी है। वहीं अदरक के भाव एक हफ्ते में 50 रुपये तक बढ़ गए हैं। पिछले हफ्ते अदरक यहां 300 रुपये किलो तक बिक रहा था, इस हफ्ते उसकी कीमत 350 रुपये किलो को पार कर चुकी है। सब्जियों की महंगाई ने लोगों के बजट को बिगाड़ दिया है।

क्यों कम नहीं हो रहे टमाटर के दाम

टमाटर की कीमत दिनों दिन लाल हो रहे हैं। कम होने के बजाए इसकी कीमत में लगातार तेजी ही आ रही है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की थोक मंडियों में टमाटर की कीमत चढ़ रही है तो वहीं तमिलनाडु में भी टमाटर में तेजी आ रही है। सप्लाई बाधित होने से टमाटर के थोक भाव लगातार बढ़ रहे हैं । चेन्नई के कोयम्बेडु थोक बाजार में टमाटर की कीमत कम होने के बजाए बढ़ते ही जा रहे हैं। यहीं हाल दिल्ली , एनसीआर की मंडियों का है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र टमाटर और सब्जियों का मुख्य उत्पादक राज्य है, लेकिन बारिश और बाढ़ के कारण उनकी गुणवत्ता में गिरावट आई है, फसलों को नुकसान हुआ है। जहां उम्मीद जताई जा रही थी कि बारिश कम होने के बाद टमाटर के भाव कम होंगे लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा। टमाटर को लेकर बाजार में अब भी गहमागहमी का माहौल है। टमाटर की कीमतों में राहत नहीं मिलती दिख रही है।

ओला स्कूटर एस1 एयर के लिए परचेज़ विंडो शुरू की

15 अगस्त तक 1,09,999 रु. के शुरुआती मूल्य

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने अपने बहुप्रतीक्षित एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर की परचेज़ विंडो शुरू होने की घोषणा की है। यह स्कूटर अब सभी ग्राहक 15 अगस्त तक 1,09,999 रु. के शुरुआती मूल्य में खरीद सकेंगे। ओला एस1 एयर को अभी तक बहुत ही शानदार प्रतिक्रिया मिली है। पूरे देश में ग्राहक इसकी 50,000 से ज्यादा बुकिंग कर चुके हैं। इंदौर में ग्राहक उद्योग नगर, मनोरमा गंज, रेवेन्यू कॉलोनी, डोंगरगाँव, सुखदेव नगर, ग्रेटर ब्रजेश्वरी, और बाप जी नगर में स्थित सात ओला एक्सपीरियंस सेंटर में जाकर ऑल-न्यू एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके

अलावा इन सेंटर्स में उन्हें फाईनेंसिंग के आसान विकल्पों की जानकारी भी मिलेगी और वो ओला ऐप द्वारा अपनी खरीद पूरी कर सकेंगे। ओला एस1 एयर का उद्देश्य शहर में राईड के लिए इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग बढ़ाना है। अपने संचालन और रखरखाव की कम लागत के साथ यह अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजी और डिज़ाईन पेश करता है, जो इसके पिछले स्कूटरों एस1 और एस1 प्रो से मिले हैं, साथ ही यह बहुत किफायती मूल्य में भी उपलब्ध है। एस1 एयर में 3किलोवॉटघंटा की बैटरी लगी है, जो 125 किलोमीटर की सर्टिफाईड रेंज और 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की टॉप स्पीड प्रदान करती है। इसके अलावा एस1 एयर छः खूबसूरत रंगों में उपलब्ध है। यह स्कूटर ट्विन फ्रंट फोर्क, फ्लैट फुटबोर्ड, 34 लीटर के विशाल बूट स्पेस, और आकर्षक ड्युअल टोन बॉडी के साथ आता है।

शाओमी ने भारत में रेडमी 12 5जी का ग्लोबल डेब्यू कर 5जी क्रांति का दौर शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन एवं AIoT ब्रांड, शाओमी ने भारत में 5जी कनेक्टिविटी का नया दौर लाने की दिशा में खास पहल की, जिसके तहत एक लंबे इंतजार के बाद नए नंबर सीरीज़ स्मार्टफोन - रेडमी 12 5जी को लॉन्च किया गया। यह स्मार्टफोन ऑफ़रों के साथ 4GB+128GB के लिए 10,999 रुपये, 6GB+128GB के लिए 12,499 रुपये और 8GB+256GB के लिए 14,499 रुपये में मिलेगा। रेडमी12 5जी स्नैपड्रैगन4 जेन2 5जी प्रोसेसर के साथ भारत का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें फ्लैगशिप-लेवल का 4nm आर्किटेक्चर है, जो तेज़ कनेक्टिविटी के लिए 5जी क्षमताएँ प्रदान करता

है। भारत में रेडमी 12 5जी के ग्लोबल डेब्यू के साथ, शाओमी एक बार फिर से 5जी का मज़ा जनता तक पहुंचा कर देश में डिजिटल क्रांति का दौर ला रहा है। शाओमी इंडिया के प्रेसिडेंट, मुरलीकृष्णन बी ने कहा, 'भारत में शाओमी के पहले 9 सालों ने एक डिजिटल क्रांति के सपने को साकार किया क्योंकि हमने अच्छी गुणवत्ता वाले 4जी हैंडसेट को आसानी से बड़े ही सस्ते दामों में सभी तक पहुंचाया। 4जी का उपयोग करने वाली दुनिया की आबादी के पाँचवे हिस्से के साथ भारत दुनियां की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में आ गया है। इस सफ़र को आगे बढ़ाते हुए, भारत में रेडमी 12 5जी का ग्लोबल डेब्यू स्मार्टफोन उद्योग और भारत के बढ़ते टेक-इनेबल्ड परिवेश के लिए एक बहुत बड़ा कदम है, जो नयी संभावनाओं एवं तेज इनोवेशन के द्वार खोल देगा। लाखों उपयोगकर्ता उंजे की गति से तेज़ इंटरनेट कनेक्टिविटी का उपयोग करते हैं, इसलिए हम भारत में इस डिजिटल दौर का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं।''

टाटा प्ले ने भारत में निर्मित अपने तीसरे उपग्रह से सेवाएं शुरू कीं

अंतरिक्ष विभाग के साथ 18 साल की साझेदारी हुई मजबूत

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

टाटा प्ले ने सरकार के मेक इन इंडिया लक्ष्य के अनुरूप जून 2022 में एनएसआईएल (न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड) के साथ गठबंधन कर जीसैट-24 उपग्रह का प्रक्षेपण किया। टाटा प्ले अपने कक्ष में स्थापित हो चुके इस उपग्रह का उपयोग आज से शुरू करेगा। इस बढ़ी हुई बैंडविड्थ से टाटा प्ले अपने उपयोगकर्ताओं को और भी बेहतर पिक्चर और ध्वनि प्रदान कर पाएगा, और सभी डीटीएच प्लेटफार्मों के बीच सबसे बड़ा उपग्रह बैंडविड्थ प्रदाता बनने के साथ 50% ज़्यादा चैनल प्रसारित कर पाएगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के छतरपुर में टाटा प्ले के प्रसारण केंद्र पर हुआ। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री अपूर्व चंद्रा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, जीसैट-24 सफलतापूर्वक शुरू होने के लिए डीओएस और टाटा प्ले को बधाई। इस आयोजन ने अंतरिक्ष और संचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम बढ़ाया है। कार्यक्रम के अवसर पर मौजूद इसरो के चेयरमैन, श्री एस. सोमनाथ ने कहा, जीसैट-24 एक 4-टन वर्ग का संचार उपग्रह है, जो डीटीएच सेवाएं प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसने कक्षा में विस्तृत परीक्षण के बाद अपनी अधिकतम उपग्रह क्षमता के साथ काम करना शुरू कर दिया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत के दूरसंचार क्षेत्र में अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकी द्वारा लायी गई एक क्रांति का प्रतीक है। यह हमारे देश के एयरोस्पेस के कौशल को हमारा आभार है और मांग पर आधारित मिशन के क्षेत्र में भारत के सफल प्रवेश की शुरुआत करता है।'

नया OPPO A78, सर्वश्रेष्ठ बैटरी के साथ संपूर्ण एंटरटेनमेंट स्मार्टफोन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अग्रणी ग्लोबल स्मार्ट डिवाईसेज़ ब्रांड, ध्ध्ध्ध ने भारत में OPPO A78 के लॉन्च की घोषणा की है। यह हैंडसेट दो कलर फिनिश- एक्वा ग्रीन और मिस्ट ब्लैक में उपलब्ध होगा। एक्वा ग्रीन A78 में वाटर-ग्रीन बेस लेयर पर OPPO का पहला डायमंड मैट्रिक्स डिज़ाईन तैयार करने के लिए डबल-लेयर प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया है। मिस्ट ब्लैक वर्ज़न में शुद्ध ब्लैक बेस पर यलो-ग्रीन का स्पर्श है, जो फोन को अद्वितीय मैटलिक ग्लॉस प्रदान करता है।

टॉप-OPPO A78 उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो ऑन-द-गो रहते हुए एंटरटेनमेंट चाहते हैं। इसके एमोलेड स्क्रीन में डीप ब्लैक, बेहतरीन कंट्रैस्ट और जीवंत कलर्स हैं। इसके 6.4 ईंच के क्रिस्प एफएचडीह्र डिस्प्ले की विशेषताएं हाई एंड के स्मार्टफोंन के बराबर हैं। इसमें स्मूथ स्क्रॉलिंग के लिए 90 हट्र्ज़ का रिफ्रेश रेट, 180 हट्र्ज़ तक का टच सैंपलिंग रेट, और एक स्मार्ट एडैप्टिव बैकलाईटिंग है।

इसके अलावा, A78 के एल1 वाईडवाईन सर्टिफिकेशन के साथ यह सभी मेनस्ट्रीम वीडियो प्लेटफॉर्म्स से हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग को सपोर्ट करता है। ऑडियो के लिए इसमें रियल ओरिज़नल साउंड टेक्नॉलॉजी के साथ ड्युअल स्टीरियो स्पीकर हैं, जो डिराक द्वारा जाँचे गए हैं। फोटोग्राफीप्रेमियों के लिए A78 4G में 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा है, जो हर सैटिंग में शानदार पिक्चर लेता है, और इसका 2 मेगापिक्सल का डेप्थ कैमरा पोर्ट्रेट में बेहतरीन बोके उत्पन्न करता है। इसमें स्नैपड्रैगन 680 एसओसी, 8जीबी रैम, 128जीबी स्टोरेज और माईक्रोएसडी कार्ड द्वारा 1 टेराबाईट के अतिरिक्त स्टोरेज की सपोर्ट है। इसके अलावा, OPPO की रैम एक्सपैंशन टेक्नॉलॉजी की मदद से रैम को 8जीबी और बढ़ाया जा सकता है।

टाटा मोटर्स ने अपने नये आईसीएनजी बाज़ार में हलचल मचाई

वॉइस असिस्टेड इलेक्ट्रिक सनरूफ के साथ ऑल-न्यू टाटा पंच लॉन्च की टियागो और टिगोर को एडवांस्ड ट्विन-सिलिंडर टेक्नोलॉजी से लैस किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अपनी ट्विन सिलिंडर टेक्नोलॉजी की सफलता से उत्साहित होकर, भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने टियागो एवं टिगोर आईसीएनजी को अपग्रेड कर अपनी मौजूदा सीएनजी श्रृंखला को नए अंदाज में पेश किया है। कंपनी ने इस क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी के साथ ऑल-न्यू पंच आईसीएनजी भी लॉन्च की है। सीएनजी के ग्राहकों के लिए यह वाकई में खुशी का मौका है। इसी वर्ष मई में ऑल्ट्रोज़ आईसीएनजी के साथ पहली बार पेश की गई ट्विन-सिलिंडर टेक्नोलॉजी को सेगमेंट में तहलका मचाने के लिए जबरदस्त समर्थन मिला है। इस टेक्नोलॉजी की बदौलत कंपनी अपने ग्राहकों को सीएनजी वाहनों में बिना किसी समझौते के बूट स्पेस मुहैया करा रही है। इतना ही नहीं, ग्राहकों को श्रेणी में सबसे

बेहतरीन फीचर्स के साथ गाड़ी चलाने का बेहतर अनुभव मिल रहा है। इस लॉन्च पर टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के हेड-मार्केटिंग, श्री विनय पन्त ने कहा कि, 'ऑल्ट्रोज़ आईसीएनजी के साथ अपनी सफलता के आधार पर, और सीएनजी सेगमेंट को और ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए, हमें आज न केवल एक, बल्कि तीन-तीन प्रोडक्ट्स - टियागो, टिगोर और बहुप्रतीक्षित तथा चहेती सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी, टाटा पंच में ट्विन सिलिंडर टेक्नोलॉजी शामिल करके बेहद खुशी हो रही है। ऑटो एक्सपो 2023 में पहली बार प्रदर्शित किये जाने के बाद, पंच आईसीएनजी इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा प्रतीक्षित व्हीकल्स में से एक रही है। अपने समझौताहीन बूट स्पेस और फीचर्स में शानदार अपग्रेड्स के साथ पंच आईसीएनजी एसयूवी से कहीं भी जाने की बेफिक्री दर्शाती है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।